जेन्नारो हॉट डॉग

Gillette Audio — नंदो द स्क्राइब — gillettenarrative.com

अब भी $1.

मैं बस से उतरा और उस पते की ओर चलने लगा जहाँ मुझे रहना था।

मेरा अमेरिकी लहजा एक इतालवी मुँह से निकलकर ग़लत सुनाई देता था।

मुझे पसीना आ रहा था।

मैं ख़ुद को गंदा महसूस कर रहा था।

तड़के का मैनहटन सच बोलता है।

सफ़ाई के ट्रक अभी गुज़रे नहीं थे।

सड़कों पर अब भी पिछली रात की गंध थी।

ज़्यादातर लोगों के लिए वह गंध घिनौनी होती।

मेरे लिए उसमें घर की महक थी।

वहाँ तक पहुँचने में मुझे 61 साल लगे।

दोष उस FEDEX से जुड़े सारस का है जिसने डिलीवरी में ग़लती की और मुझे दक्षिणी इटली में गिरा दिया।

ग़लत मंज़िल।

अब मेरा शरीर आख़िरकार मेरे दिमाग़ से आ मिला था।

न्यूयॉर्क शहर चुपचाप मेरा इंतज़ार करता रहा था।

फिर मैंने उसे देखा।

एक हॉट-डॉग की गाड़ी।

और उसी पल मैं जान गया:

मैं घर आ गया था।

मैं क़रीब गया।

मालिक बूढ़ा था।

इतालवी।

नेपल्स का।

बिल्कुल सही।

उसने तुरंत नाटक शुरू कर दिया।

“मैं थक गया हूँ।”

“मैं बूढ़ा हूँ।”

“मेरे पास पैसा नहीं है।”

“मेरे बहुत सारे बच्चे हैं।”

“मैं यह धंधा बेचना चाहता हूँ।”

मैंने उसे रोका।

“गाड़ी की क़ीमत क्या है?”

उसने मुझे घूरा।

“पैसे की बात करने से पहले... यह बताओ कि तुम आख़िर हो कौन।”

वाजिब बात।

हम कॉफ़ी पीने गए।

फिर दोपहर का खाना।

फिर और बातें।

घंटे बीत गए, पर उसने एक बार भी घड़ी नहीं देखी।

एक मौक़े पर मैंने मुस्कुराकर कहा:

“अमेरिका में हमेशा कहते हैं कि वक़्त ही पैसा है।”

वह हँसा।

“नहीं।”

फिर उसने सीधे मेरी आँखों में देखा।

“वक़्त के बाद... दिल ही पैसा है।”

हम दोनों मुस्कुराए।

पर मैं तुरंत समझ गया कि वह मज़ाक नहीं था।

अगली सुबह हम सिटी हॉल में मिले।

वह अपनी पत्नी के साथ आया।

फिर उसकी बेटी।

फिर उसकी बहन।

फिर उसकी साली।

उस मौक़े पर यह कारोबारी सौदे से कम और परिवार में ब्याहे जाने जैसा ज़्यादा लगने लगा।

मुझे अब भी अंदाज़ा नहीं था कि वह गाड़ी के बदले क्या चाहता है।

मैंने नक़द $35,000 तैयार रखे थे।

मुझे उम्मीद थी कि इतने काफ़ी होंगे।

सब कुछ पर दस्तख़त हो गए।

हो गया।

फिर उसने मेरी ओर देखा और कहा:

“तुम्हारे पास कितने पैसे हैं?”

मैंने वैसे ही जवाब दिया जैसे समझदार लोग ख़तरनाक सवालों का देते हैं।

“मुझे नहीं पता। मैंने गिने नहीं। तुम बस बता दो कि मुझ पर कितना बनता है।”

वह मुस्कुराया।

“एक डॉलर।”

सन्नाटा।

कोई हिला नहीं।

कोई बोला नहीं।

फिर उसने कहा:

“अमेरिका में स्वागत है।”

उसी दिन मैंने वह चीज़ सीखी जो ज़्यादातर लोग कभी नहीं समझ पाते।

कुछ आदमी धंधे बेचते हैं।

दूसरे विरासत सौंपते हैं।

पहले पूरे साल मैंने हर हॉट डॉग एक डॉलर में बेचा।

सम्मान के लिए।

स्मृति के लिए।

क्योंकि कुछ आदमी ख़रीदे नहीं जा सकते।

उन्हें सिर्फ़ सम्मान दिया जा सकता है।

नान्दो

© 2026 Ferdinando Frega — सर्वाधिकार सुरक्षित
Gillette Audio — संयुक्त राज्य अमेरिका में कॉपीराइट पंजीकरण प्रक्रियाधीन